अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आई॰एफ॰ए॰डी॰) से वित्तीय सहायता

2115. **श्री दिलीफ सिंह जूदेव:** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994-95, 1995-96 :और 1996-97 के दौरान संयुक्त राष्ट्र संगठन की एक संस्था अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष द्वारा कृषि विकास हेतु भारत को कितनी सहायता राशि उपलब्ध कराई गई;

(ख) इस सहायता राशि में से किन-किन राज्यों को कितनी-कितनी धनराशि उपलब्ध कराई गई;

(ग) उर्पुक्त सहायता से इन राज्यों में कृषि उद्योगों के विकास हेतु किये गये कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस सहायता से कृषि उद्योग में हुई प्रगति हेतु निर्धारित लक्ष्यों और उपलब्धियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) और (ख) ब्यौरा विवरण में दिया गया है **(नीचे देखिये)**

(ग) अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष से सहायता मुख्यतः उन परियोजनाओं के लिये दी जाती है जिनका उद्देश्य अधिक निर्धनता वाले गैर-सुविधा प्राप्त वर्गों, जैसे जन-जातीय जनसंख्या उड़ीसा एवं आंध्र प्रदेश में) महिलाओं (महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु में) और अत्यंत अविकसित क्षेत्रों जैसे मेवात क्षेत्र (हरियाणा में) में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। परियोजना के घटकों में सामांयतः ग्रामीण अवसंरचना का विकास, लघु सिंचाई एवं जल संरक्षण कार्यों को प्रोत्साहन, अन्य आय उत्पन्न करने वाली गतिविधियां, महिलाओं की शिक्षा, निर्धनों तक ऋण को पहुंचाया जाना आदि शामिल हैं। कृषि उद्योगों का विकास इन परियोजनाओं का घटक नहीं है।

(घ) प्रश्न ही नहीं होता।

विवरण

वर्ष 1994-95 1995-96 एवं 1996-97 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष ने पांच भारतीय राज्यों में अपनी चालू परियोजनाओं के लिये सहायता उपलब्ध कराई। ब्यौरे इस प्रकार हैं:—

धनराशि मिलियन अमरीकी डालर में

परियोजना का नाम	ऋण की राशि	राज्य	उपयोग		
			94-95	95-96	96-97
1.उड़ीसा जनजातीय विकास	12.2	उड़ीसा	1.434	2.157	1.336
2.तमिलनाडु महिला विकास	13.25	तमिलनाडु	0.764	3.840	3.839
3.आन्ध्र प्रदेश जनजातीय विकास	21.608	आन्ध्र प्रदेश	2.741	1.268	1.717
4.महाराष्ट्र ग्रामीण ऋण	29.442	महाराष्ट्र	2.000	0.340	1.795
5.आन्ध्र प्रदेश सहभागिता जनजातीय विकास	26.710	आन्ध्र प्रदेश	1.800	1.268	1.467
6.मेवात क्षेत्र विकास	15.080	हरियाणा	—	1.200	0.000